अंतर्राष्ट्रीय समुद्रतल प्राधिकरण की 8वीं वार्षिक ठेकेदार बैठक 2025

स्रोत: पी.आई.बी.

भारत ने गोवा स्थित **CSIR-राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान** में **ISA की 8वीं वार्षिक ठेकेदार बैठक** की मेज़बानी की, जिसमें **गहरे समुद्र अन्वेषण** पर चर्चा करने के लिये वैश्विक विशेषज्ञ एकत्र हुए।

- **इस बैठक में भारत के** डीप ओशन मिशन **और "मानवता की साझा धरोहर" के दृष्टिकोण के अनुरूप सतत् संसाधन प्रबंधन पर भी ज़ोर दिया गया।**
- बैठक में **अंतर्राष्ट्रीय समुद्रतल अन्वेषण** में **भारत की अग्रणी भूमिका** को उजागर किया गया। भारत अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में **पॉलीमेटेलिक नोड्यूल (PMN)** अन्वेषण के लिये क्षेत्र प्राप्त करने वाला पहला देश था और उसे **"अग्रणी निवेशक"** नामित किया गया था।
- दो **पॉलीमेटेलिक सल्फाइड (PMS)** अनुबंधों के साथ, एक **केंद्रीय भारतीय रिज** और **दक्षिण-पश्चिमी भारतीय रिज** में और दूसरा **भारतीय महासागर** के **कार्ल्सबर्ग रिज** में, भारत अब अंतर्राष्ट्रीय समुद्रतल में PMS के लिये सबसे बड़े अन्वेषण क्षेत्र का स्वामी है।

अंतर्राष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण (ISA)

- **ISA**, जिसका मुख्यालय **किंग्स्टन**, **जमैका** में स्थित है, एक स्वायत्त संगठन है जिसे वर्ष **1982** के **सामुद्रिक कानून पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCLOS)** और वर्ष **1994** के **कार्यान्वयन समझौते** के तहत स्थापित किया गया।
- यह मानवता के लाभ के लिये **अंतर्राष्ट्रीय समुद्रतल में सभी खनिज-संसाधन गतिविधियों** को नियंत्रित करता है, जिसमें **भारत सहित 170 सदस्य देश** शामिल हैं।

और पढ़ें: ISA की 30वीं वर्षगाँठ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/international-seabed-authoritys-8th-annual-contractors-meeting-2025